# द्विवार्षिक स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

2- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

# आचार्य सिद्धान्तज्योतिष

# Acharya Siddhantajyotisha

(Programme Code – AC-SJY)

## L.O.C.F.

**अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा**

2025-2026

**(ज्योतिष विभाग)**

## वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

## Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya


## महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in


अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

# परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

## 1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित द्विवार्षिक आचार्य (सिद्धान्त ज्योतिष) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

## 2. प्रवेशनियम

द्विवार्षिक आचार्य (सिद्धान्त ज्योतिष) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) त्रिवार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

## 3. परीक्षायोजना

1. द्विवार्षिक आचार्य (सिद्धान्त ज्योतिष) परीक्षा का माध्यम संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत होगी।

## 4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

**मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु**

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| क्रमांक | प्रश्नप्रकार | प्रश्नसङ्ख्या | अङ्क | योग |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बहुविकल्पकीय | 5 | 1 | 5 |
| 2 | लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक | 5 | 3 | 15 |
| 3 | निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक | 5 | 8 | 40 |
| 4 | आन्तरिकमूल्याङ्कन | | | 40 |
| योग | | | | 100 अङ्क |

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

| क्रमांक | प्रश्नप्रकार | प्रश्नसङ्ख्या | अङ्क | योग |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बहुविकल्पकीय | 5 | 2 | 10 |
| 2 | लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक | 5 | 6 | 30 |
| 3 | निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक | 5 | 12 | 60 |
| योग | | | | 100 अङ्क |

5. ग्रेडिंगपद्धति-

द्विवार्षिक आचार्य (सिद्धान्त ज्योतिष) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT | | | |
|---|---|---|---|
| MARKS OBTAINED | GRADE | GRADE POINT | DESCRIPTION |
| > 90% | O | 10 | Outstanding |
| > 80% | A+ | 9 | Excellent |
| >70% | A | 8 | Very Good |
| >60% | B+ | 7 | Good |
| >50% | B | 6 | Above Average |
| >40% | C | 5 | Average |
| 40% | P | 4 | Pass |
| <40% | F | 0 | Fail |
| Ab | Ab | 0 | Absent |

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

**Cumulative Grade Point Average**

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\text{(No. of credits * Grade Point)}}{\text{No. of Credits}}$$

उपकुलसचिव
उच्चतर शिक्षा
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वेदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

**6. उपलब्ध स्थान -**

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

**7. शुल्क -**

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

**8. परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता -**

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **द्विवार्षिक आचार्य सिद्धान्त ज्योतिष** की उपाधि प्रदान की जाएगी।

**9. अवधि-**

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को **अधिकतम चार वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।** द्विवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम में नामाङ्कित विद्यार्थियों के लिए केवल एक निकास बिन्दु (Exit point) उपलब्ध है। यदि कोई विद्यार्थी सफलतापूर्वक पहला शैक्षणिक वर्ष पूर्ण कर लेता है (44 क्रेडिट अर्जित करके), तो वह कार्यक्रम से बाहर निकल सकता है और

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

उसे स्नातकोत्तर पत्रोपाधि प्रदान की जावेगी। **विद्यार्थी बाहर निकलने के बाद अधिकतम दो शैक्षणिक वर्षों के भीतर अपनी स्नातकोत्तर उपाधि पूर्ण करने के लिए पुनः कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।**

**10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन-** छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

**11. कार्यक्रम योजना**

| वर्ष/ सत्रार्द्ध | | पाठ्यक्रम प्रकार | | | | कुल क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट | | | इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC) | |
| | | पाठ्यक्रम स्तर | मुख्य पाठ्यक्रम | क्रेडिट | | |
| प्रथम वर्ष | प्रथम सत्रार्द्ध | 400 | CC-11 भास्करीयग्रहगणितम् | 5 | इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप अथवा सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट) | 22 |
| | | 400 | CC-12 भास्करीयगोलगणितम् | 5 | | |
| | | 400 | CC-13 आर्यभटीयगणितम् | 5 | | |
| | | 400 | CC-14 दीर्घवृत्तगणितम् | 5 | | |
| | द्वितीय सत्रार्द्ध | 400 | CC-21 भास्करीयग्रहणगणितम् | 5 | VAC (CHM/ | 22 |
| | | 400 | CC-22 भास्करीयगोलगणितम् | 5 | | |

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 400 | CC-23 ज्योतिषशास्त्रस्येतिहासः | 5 | EEMC) (2 क्रेडिट) | |
| | | 400 | CC-24 ज्योतिर्विज्ञानम् | 5 | | |
| टिप्पणी- वर्ष के अन्त में बाहर होने वाले छात्रों को स्नातकोत्तर पत्रोपाधि प्रदान की जाएगी। | | | | | | |
| **द्वितीय वर्ष विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)** | | | | | | |
| द्वितीय वर्ष | तृतीय सत्रार्द्ध | 500 | CC-31 ग्रहगणितम् | 5 | सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट) | 22 |
| | | 500 | CC-32 गोलगणितम् | 5 | | |
| | | 500 | CC-33 करणगणितम् | 5 | | |
| | | 500 | CC-34 अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम् | 5 | | |
| | चतुर्थ सत्रार्द्ध | 500 | CC-41 ग्रहगणितम् | 5 | VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट) | 22 |
| | | 500 | CC-42 ग्रहणगणितम् | 5 | | |
| | | 500 | CC-43 करणगणितम् शृङ्गोन्नतिगणितञ्च | 5 | | |
| | | 500 | CC-44 वेधगणितम् * अथवा लघुशोधप्रबन्ध | 5 | | |
| **द्वितीय वर्ष विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)** | | | | | | |
| द्वितीय वर्ष | तृतीय सत्रार्द्ध | 500 | CC-31 ग्रहगणितम् | 5 | सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट) | 22 |
| | | 500 | CC-32 गोलगणितम् | 5 | | |
| | | 500 | CC-33 करणगणितम् | 5 | | |
| | | 500 | CC-34 अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम् | 5 | | |
| | चतुर्थ सत्रार्द्ध | शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य) | | | | 22 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| द्वितीय वर्ष विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य) | | | |
|---|---|---|---|
| द्वितीय वर्ष | तृतीय सत्रार्द्ध | शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य) | 22 |
| | चतुर्थ सत्रार्द्ध | शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य) | 22 |

पाठ्यक्रम प्रकार

**मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC-** किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

**मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC -** मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

**संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM-** ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

**रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC-** रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

**प्रशिक्षुता (Internship)-** इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप

ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

**शिक्षुता (Apprenticeship)** - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

**सङ्गोष्ठी (Seminar)** – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

# द्विवार्षिक आचार्य सिद्धान्तज्योतिष

# सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

# Acharya Siddhantajyotisha Syllabus

## (Programme Code – AC-SJY)

## प्रथम सत्रार्द्ध

# 2025-26


**महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,**

**देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010**

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in


अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) :<br>आचार्य द्विवार्षिक<br>(Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : प्रथम<br>Semester : I | सत्र (Session):<br>2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT- SJY 11 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 11) भास्करीयग्रहगणितम्<br>प्रथमप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ VAC) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्य परिज्ञानं भविष्यति ।<br>2. खगोलियक्षेत्रस्यपरिचयो भविष्यति ।<br>3. ग्रहणज्ञानेदक्षः भविष्यति ।<br>4. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति । | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course |
|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br>L-T-P: 5-0-0 | | |
|---|---|---|
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | सिद्धान्तशिरोमणौ मध्यमाधिकार:<br>**गतिविधयः-**<br>सिद्धान्तग्रन्थलक्षणपरिचयः<br>कालस्य विविध भेदानां परिचयः ।<br>कालमानानां गणितसाधनम् ।<br>सग्रह-भचक्रचलनस्य आरेख निर्माणम् । | 15 |
| 2 | भगणाध्याय : ग्रहानयनाध्यायश्च<br>**गतिविधयः-**<br>भगण परिचयः ।<br>अहर्गण-मध्यमग्रहस्य गणितसाधनम् । | 15 |
| 3 | कक्षाध्याय:<br>**गतिविधयः-**<br>खकक्षा-ग्रहकक्षापरिचयः ।<br>ग्रहागतेः परिचयः ।<br>प्रत्यब्दशुद्धेः व्यवहारिकप्रयोगः | 15 |
| 4 | अधिकमासादिनिर्णयाध्याय: भूपरिध्याद्यध्यायश्च<br>**गतिविधयः-**<br>अधिक-क्षयमास परिचयः ।<br>भूपरिधिः-रेखादेशः इत्यादिनां व्यवहारप्रयोगः । | 15 |
| 5 | स्पष्टाधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>ज्यापिण्ड-उत्क्रमज्या-क्रान्तिज्या-भुजकोटिज्या इत्यादिनां गणितीयप्रयोगः ।<br>मन्द-शीघ्र-इष्टपरिधिः इत्यादिनां परिचयः । | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | मन्दफल-शीघ्रफलयोः आरेख निर्माणम् ।<br>ग्रहाणां स्फुटीकरणार्थं विविधसंस्कारस्य प्रयोगः ।<br>नक्षत्र-योग-तिथि-करण इत्यादिनां गणितसाधनम् । | |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : कालमानम्, अहर्गणः, ग्रहगतिः, मन्दफलम्, प्रत्यब्दशुद्धेः ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. सिद्धान्तशिरोमणिः गणिताध्यायः, वासनाभाष्यसहिता, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 22100

साहाय्यग्रन्थाः –

1. भास्करीयगोलमीमांसा – प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी
2. सिद्धान्तशिरोमणिः - संपादकः मुरलीधरचतुर्वेदी

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

| | | |
|---|---|---|
| पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| Any remarks/ suggestions: | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : प्रथम<br>Semester : I | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 12 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 12) भास्करीयगोलगणितम् द्वितीयप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय (Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्य परिज्ञानं भविष्यति ।<br>2. खगोलियक्षेत्रस्यपरिचयो भविष्यति ।<br>3. भारतीयत्रिकोणमितिविषयेदक्ष: भविष्यति ।<br>4. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति ।<br>5. गोलाध्यायेवर्णितविषयाणाम् ज्ञानंभविष्यति । | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of<br>Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | गोलाध्याये गोलप्रशंसाध्यायत : भुवनकोशाध्यायपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>गोलस्वरूपं-भूसंस्थानस्य स्वरूपविषये परिचयः ।<br>खगोल-भगोल-भूगोलानां गोलकनिर्माणम् ।<br>गोलकस्य व्यावहारिक प्रयोगः । | 15 |
| 2 | मध्यगतिवासनाध्याय:छेदकाधिकाराश्च<br>**गतिविधयः-**<br>भूगोलीय आरेख निर्माणम् । ।<br>भूगोलकस्य व्यावहारिक प्रयोगः ।<br>भूकेन्द्र-कक्षाकेन्द्रयोः आरेख निर्माणम् । | 15 |
| 3 | ज्योत्पत्तिवासनाध्याय:<br>**गतिविधयः-**<br>ज्यापिण्ड-उत्क्रमज्या-क्रान्तिज्या-भुजकोटिज्या इत्यादिनां परिचयः ।<br>भूपरिधेः आरेख निर्माणम् । | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| 4 | गोलबन्धाधिकार:<br><br>**गतिविधयः-**<br>गोल-भगोलबन्ध-अयनचलनं इत्यादिनां परिचयः ।<br>दृष्टान्तगोलस्य निर्माणम् । | 15 |
| 5 | त्रिप्रश्नवासनाध्याय:<br><br>**गतिविधयः-**<br>क्षितिज-क्रान्ति-मेरुसंस्थानं इत्यादिनां परिचयः ।<br>उदयास्त-चरखण्ड-लग्नसंस्थानस्य व्यवहारप्रयोगः । | 15 |

**कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : -** गोलबन्धः, क्रान्तिः, मेरुः, उदयास्तम् ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

**सन्दर्भग्रन्थः –**

1. सिद्धान्तशिरोमणिः गोलाध्यायः,वासनाभाष्य-मरीचिभाष्यसहितम्,पं.केदारदत्तजोशी, मोतीलालबनारसीदास प्रकाशनम्, वाराणसी, 221001

**साहाय्यग्रन्थाः –**

2. भस्करीयगोलमीमांसा – प्रो. देवीप्रसादत्रिपाठी

Suggestive digital platforms/ web links-

**अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम**

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| Any remarks/ suggestions: | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : प्रथम<br>Semester : I | सत्र (Session): 2025-26 |
| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 13 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 13) आर्यभटीयगणितम्<br>तृतीयप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. आर्यभटीयगणितस्य परिज्ञानं भविष्यति ।<br>2. वर्गावर्गविषये दक्षः भविष्यति ।<br>3. प्राचीनभारतीयगणितपरम्परायाः ज्ञानं भविष्यति ।<br>4. ज्योतिषगणितविषयस्यपरिचयो भविष्यति । | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | आर्यभटीये गीतिकापाद:<br>**गतिविधयः-**<br>अक्षराङ्कपद्धतेः परिचयः ।<br>अक्षराङ्कपद्धतेः सारिणी निर्माणम् ।<br>कालगणनार्थं मापनविधेः प्रयोगः । | 15 |
| 2 | गणितपाद:<br>**गतिविधयः-**<br>संख्यास्थानस्य परिचयः ।<br>संख्यास्थानस्य गणितीय प्रयोगः । | 15 |
| 3 | कालक्रियापाद:<br>**गतिविधयः-**<br>कालगणना परिचयः ।<br>ग्रहाणां स्थितेः गणितीय प्रयोगः । | 15 |
| 4 | गोलपादे लङ्कोदयप्राणानयनपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>लङ्कोदयस्य गणितसाधनम् । | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| 5 | गोलपादे क्षितिज्यानयनतसमाप्तिपर्यन्तम् :<br><br>**गतिविधयः-**<br>क्षितिज्यास्य गणितसाधनम् । | 15 |

**कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :** अक्षराङ्कपद्धतिः, संख्यास्थानम् ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

**सन्दर्भग्रन्थः –**

1. आर्यभटीयम्, परमेश्वराचार्यकृतभटदीपिकाभाष्योपेतम्, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।

Suggestive digital platforms/ web links-

**अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम**

**Suggested equivalent online courses:**

**1. Sanskrit.inira.fr/**

**2. learnsanskrit.cc/index**

**3.sanskrit.samskrutam.com**

**4.swayam.gov.in**

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

**अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी**

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

**सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वेद विश्वविद्यालय

| | | |
|---|---|---|
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| Any remarks/ suggestions: | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : प्रथम<br>Semester : I | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 14 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 14) दीर्घवृत्तगणितम्<br>चतुर्थप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा स्नातकपरीक्षोत्तीर्णाः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णाः वा प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. ज्योतिषशास्त्रेवर्णितभौतिकविज्ञाने दक्षःभविष्यति।<br>2. गणितशास्त्रेनिपुणः भविष्यति।<br>3. खगोलेस्थितपिण्डागणितागत आनयने निपुणः भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | दीर्घवृत्तलक्षणे आदितः 19 सूत्रपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>दीर्घवृत्तलक्षणोपरि निबन्धलेखनम् ।<br>दीर्घवृत्ते केन्द्रनाभ्यन्तरस्य आरेख निर्माणम्। | 15 |
| 2 | 20 तः 38 सूत्रपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>दीर्घवृत्तनिर्माणस्य प्रायोगिकम् ।<br>दीर्घवृत्ते विविध स्पर्शरेखा निर्माणम्। | 15 |
| 3 | 39 तः समाप्तिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>चलराश्योः तात्कालिकसम्बन्धस्याध्ययनम् ।<br>पिण्डस्य दीर्घवृत्ते भ्रमणस्य आदर्श निर्माणम्। | 15 |
| 4 | प्रतिभाबोधकम् - आदितः विषमसूच्युपरि गोलरचनाप्रकारः पर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>विषमसूच्युपरि गोलरचनाप्रकारस्य प्रायोगिकम् । | 15 |

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| 5 | प्रतिभाबोधकम् - समसूच्यन्तर्गतो विशिष्टगोलतः समाप्तिपर्यन्तम् ।<br><br>गतिविधयः-<br>समसूच्यन्तर्गतो विशिष्टगोलरचनाप्रकारस्य प्रायोगिकम् । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : दीर्घवृत्तलक्षणम्, प्रतिभाबोधकम्, नाभिः ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

4. दीर्घवृत्तलक्षणम्, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी, 221001।
5. प्रतिभाबोधकम्, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी, 221001।

साहाय्यग्रन्थाः –

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| **आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | **कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>**: 03:00**<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>**Section(A)** : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>**Section (B)** : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>**Section (C)** : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

# द्विवार्षिक आचार्य सिद्धान्तज्योतिष

# सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

# Acharya Siddhantajyotisha Syllabus

## (Programme Code – AC-SJY)

## द्वितीय सत्रार्द्ध

## 2025-26


**महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,**

देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : द्वितीय<br>Semester : II | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 21 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 21) भास्करीयग्रहणगणितम् प्रथमप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय (Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्य परिज्ञानं भविष्यति।<br>2. खगोलियक्षेत्रस्यपरिचयो भविष्यति।<br>3. ग्रहणज्ञानेदक्षः भविष्यति।<br>4. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वेद विश्वविद्यालय

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of<br>Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | सिद्धान्तशिरोमणौ त्रिप्रश्नाधिकारः<br><br>**गतिविधयः-**<br>स्फुटदिग्साधन-पलभासाधनस्य प्रायोगिकम् ।<br>अयनांशचलनस्य आरेख निर्माणम् ।<br>नत-उन्नतकाल इत्यादिनां गणितसाधनम् । | 15 |
| 2 | पर्वसम्भवाधिकारचन्द्रग्रहणाधिकारश्च :<br><br>**गतिविधयः-**<br>रवि-चन्द्र-भूभाविम्ब इत्यादिनां परिचयः ।<br>ग्रहणसम्भावनाविषयक प्रायोगिकम् ।<br>ग्रहणस्य परिलेख निर्माणम् ।<br>छाद्यछादकयोः परिचयः । | 15 |
| 3 | सूर्यग्रहणाधिकारग्रहच्छायाधिकारश्च :<br><br>**गतिविधयः-**<br>सूर्यग्रहण-लम्बन-नतीत्यादिनां परिचयः ।<br>ग्रहणसम्भावनाविषयक प्रायोगिकम् ।<br>ग्रहणस्य परिलेख निर्माणम् ।<br>छाद्यछादकयोः परिचयः । | 15 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| 4 | ग्रहोदयास्ताधिकारः शृङ्गोन्नत्यधिकारश्च<br><br>**गतिविधयः-**<br>उदयास्तविषयक प्रायोगिकम् ।<br>उदयास्तसम्बन्धि परिलेख निर्माणम् ।<br>चन्द्रस्य दृश्यादृश्यत्वविषये प्रायोगिकम् ।<br>शृङ्गोन्नतिः परिलेख निर्माणम् । | 15 |
| 5 | ग्रहयुत्यधिकारतसमाप्तिपर्यन्तम् :<br><br>**गतिविधयः-**<br>ग्रहयुतिः-भग्रहयुतीत्यादिनां परिचयः ।<br>ग्रह-भग्रहयुतिविषयक प्रायोगिकम् ।<br>भग्रहयुतिसम्बन्धि परिलेख निर्माणम् । | 15 |

**कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :** दिक्, देशः, कालः, अयनांशचलनम्, भूभाविम्ब, छाद्य-छादकः, परिलेखः।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

**सन्दर्भग्रन्थः –**

1.सिद्धान्तशिरोमणिः, वासनाभाष्यसहिता,चौखम्भासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी, 22100।

**साहाय्यग्रन्थाः –**

1. भस्करीयगोलमीमामांसा – प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

2.सिद्धान्तशिरोमणिःसंपादकः मुरलीधरचतुर्वेदी, प्रकाशक – सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

Suggestive digital platforms/ web links-

**अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम**

**Suggested equivalent online courses:**

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| 4.swayam.gov.in | | |
|---|---|---|
| **भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**<br>**(Part D-Assessment and Evaluation)** | | |
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| **आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | **कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>**समयः** (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : द्वितीय<br>Semester : II | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 22 |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 22) भास्करीयगोलगणितम् द्वितीयप्रश्नपत्रम् |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय (Core Course) |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्य परिज्ञानं भविष्यति ।<br>2. खगोलियक्षेत्रस्यपरिचयो भविष्यति ।<br>3. भारतीज्योतिषशास्त्रेवर्णितयन्त्राणांविषयेज्ञानं भविष्यति।<br>4. ग्रहोदयास्तविषयेज्ञानं भविष्यति ।<br>5. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति । |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वेदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | 6. गोलाध्यायेवर्णितविषयाणाम् भविष्यति । | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

**भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु**

**Part B- Content of the Course**

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each) |
|---|---|---|
| 1 | गोलाध्याये ग्रहणवासनाध्याय:<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रहणसम्भावनाविषयक प्रायोगिकम् ।<br>ग्रहणस्य परिलेख निर्माणम् ।<br>छाद्यछादकयोः परिचयः । | 15 |
| 2 | उदयास्तवासनाध्याय:<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रह-नक्षत्राणां उदयास्तगणितसाधनम् ।<br>उदयास्तविषयक प्रायोगिकम् ।<br>उदयास्तसम्बन्धि परिलेख निर्माणम् । | 15 |
| 3 | श्रिङ्गोन्नातिवासनाध्याय:<br>**गतिविधयः-**<br>शृङ्गोन्नतिगणितसाधनम् ।<br>चन्द्रस्य दृश्यादृश्यत्वविषये प्रायोगिकम् ।<br>शृङ्गोन्नतिः परिलेख निर्माणम् । | 15 |

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| 4 | यन्त्राध्याय:<br>खगोल-भगोल-भूगोलानां गोलकनिर्माणम् ।<br>विविध यन्त्रस्य आदर्श निर्माणम् । | 15 |
| 5 | ऋतुवर्णनाध्यायतसमाप्तिपर्यन्तम् :<br>**गतिविधय:-**<br>अयन-ऋतुपरिवर्तनसम्बन्धि आरेख निर्माणम् । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : ऋतु:, यन्त्रम्, ग्रहणम् ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थ: –

1. गोलाध्याय:,वासनाभाष्य-मरीचिभाष्यसहितम्,पं.केदारदत्तजोशी, मोतीलालबनारसीदास प्रकाशनम्, वाराणसी, 221001।

साहाय्यग्रन्था: –

1. भस्करीयगोलमीमांसा -
2. सिद्धान्तशिरोमणि:संपादक: मुरलीधरचतुर्वेदी, प्रकाशक: – सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी ।

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| Any remarks/ suggestions: | | |

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : द्वितीय<br>Semester : II | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 23 |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 23) ज्योतिषशास्त्रस्येतिहासः<br>तृतीयप्रश्नपत्रम् |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. ज्योतिषवाङ्मय इतिहासस्य परिज्ञानं भविष्यति।<br>2. ज्योतिषशास्त्रस्यक्रमिकविकासस्य परिचयो भविष्यति।<br>3. वेदाङ्गज्योतिषस्य ज्ञानं भविष्यति।<br>4. प्राचीनाचर्याणां एवं कृतिविषये परिचयो भविष्यति। |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

**भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु**

**Part B- Content of the Course**

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each) |
|---|---|---|
| 1 | ज्योतिषशास्त्रपरिचयः - ज्योतिषशास्त्रस्योत्पत्तिः, ज्योतिषशास्त्रविकासः, ज्योतिषशास्त्रस्य प्रतिपाद्यविषयः, प्राग्वैदिककाले ज्योतिषम् ।<br>**गतिविधयः-**<br>ज्योतिषशास्त्र परिचयः ।<br>ज्योतिषशास्त्रस्योद्भवस्योपरि निबन्धलेखनम् ।<br>ज्योतिषशास्त्रस्य कालविभाजनस्य सारिणी निर्माणम् । | 15 |
| 2 | ज्योतिषस्य वेदाङ्गत्वम् - वेदाङ्गज्योतिषम्, महाभारतपुराणादिषु ज्योतिषम् ।<br><br>वेदपुराणमहाभारतादिषु ज्योतिषशास्त्रस्य स्वरूपविषये निबन्धलेखनम् ।<br>शैक्षणिक भ्रमणम्। | 15 |
| 3 | ज्योतिषस्य सिद्धान्तस्कन्धः - प्राचीनपञ्चसिद्धान्तानां पितामहवसिष्ठरोमकपौलिशसूर्यसिद्धान्तानां, | 15 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| | आधुनिकापञ्चसिद्धान्तानां सूर्यसोमवसिष्ठरोमकसिद्धान्तानां, शाकल्योक्तब्रह्मिसद्धान्तानाञ्च समीक्षा ।<br>**गतिविधयः-**<br>पञ्चसिद्धान्तानां विषये निबन्धलेखनम् । | |
| 4 | प्रमुखसिद्धान्तग्रन्थानां परिचयः - आर्यभटीयम्, शिष्यधीवृद्धिदम्, पञ्चसिद्धान्तिका, ब्राह्मस्फुटसिद्धान्तः सूर्यसिद्धान्तः, महासिद्धान्तः, सिद्धान्तशेखरः(श्रीपतिः, ज्ञानराजः), राजमृगाङ्कः, सिद्धान्तशिरोमणिः (माधवः), सिद्धान्तशिरोमणिः (भास्कराचार्यः), ग्रहलाघवम, सिद्धान्ततत्त्वविवेकः, लोहगोलखण्डनम्, सिद्धान्तसम्राट, यन्त्रराजघटना, गोलप्रकाशः, केतकीग्रहगणितम्, ज्योतिर्विज्ञानम् (अर्कसोमयाजि), अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानञ्च ।<br>**गतिविधयः-**<br>प्रमुखसिद्धान्तग्रन्थोपरि निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 5 | प्रमुखज्योतिर्विदां परिचयः - लगधाचार्यः, आर्यभटः प्रथमः, वराहमिहिरः, लल्लाचार्यः, भास्कराचार्यः (द्वितीयः) ब्रह्मगुप्तः, मुजालः, श्रीपतिः, भोजदेवः, गणेशदैवज्ञः, मुनीश्वरः, कमलाकरभट्टः, वेङ्कटेशकेतकरः, नीलाम्बरः बापूदेवशास्त्री, सुधाकरद्विवेदी, शङ्करबालकृष्णदीक्षितः ।<br>**गतिविधयः-**<br>वराहमिहिर-लगध-आर्यभट-भास्कराचार्यः इत्यादिनां परिचयः ।<br>शैक्षणिक भ्रमणम् । | 15 |

**कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : ज्योतिर्विदः, पञ्चसिद्धान्तः सिद्धान्तग्रन्थः ।**

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

सन्दर्भग्रन्थः –

1. ज्योतिषशास्त्रस्येतिहासः, (लोकमणिदाहालः) चौखम्भासुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी।

साहाय्यग्रन्थाः –

1. भारतीयज्योतिषम्, (शङ्करबालकृष्णदीक्षितः) उत्तरप्रदेशहिन्दीसंस्थानम्, लखनऊ।

2. ज्योतिर्निबन्धादर्शः, (डा.शत्रुघ्नत्रिपाठी) चौखम्भा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी, 221001

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

| | | |
|---|---|---|
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि | 40 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| | (Class Test Assignment/Presentation) | |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>**: 03:00**<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>**समयः** (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>**Section(A)** : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>**Section (B) :** 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>**Section (C)** : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि<br>Program : Postgraduate Diploma | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : द्वितीय<br>Semester : II | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 24 |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 24) ज्योतिर्विज्ञानम्<br>चतुर्थप्रश्नपत्रम् |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. ज्योतिषवाङ्मय इतिहासस्य परिज्ञानं भविष्यति ।<br>2. ज्योतिषशास्त्रस्यक्रमिकविकासस्य परिचयो भविष्यति ।<br>2. प्राचीनसिद्धान्तानाम् ज्ञानं भविष्यति ।<br>3. 4.प्राचीनाचर्याणां एवं कृतिविषये परिचयो भविष्यति । |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | 4. ग्रहणेलम्बननातिसम्मिलनोन्मिलान विषये दक्षः भविष्यति ।<br>5. ज्योतिषशास्त्रानुसारंब्रह्माण्डस्वरूप ज्ञानं भविष्यति । | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

**भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु**

**Part B- Content of the Course**

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each) |
|---|---|---|
| 1 | ज्योतिर्विज्ञाने प्राचीनसिद्धान्तस्कन्ध :<br>**गतिविधयः-**<br>प्राचीनसिद्धान्तोपरि निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 2 | गणितस्कन्धे खगोलाधिकारः भूम्यधिकारश्च<br>**गतिविधयः-**<br>खगोलोपरि निबन्धलेखनम् ।<br>भूपरिधेः गणितसाधनम् ।<br>खगोलस्य आरेख निर्माणम् । | 15 |
| 3 | गणितस्कन्धे ग्रहाधिकारः लम्बनाधिकारश्च<br>**गतिविधयः-**<br>लम्बनोपरि निबन्धलेखनम् ।<br>मध्यमग्रहस्य गणितसाधनम् ।<br>लम्बनस्य आरेख निर्माणम् । | 15 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
सांदीपनि राष्ट्रीय संस्कृत एवं वेद विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| 4 | गणितस्कन्धे चन्द्राधिकारतः समाप्तिपतम्<br>**गतिविधयः-**<br>चन्द्रस्य स्वरूपविषये निबन्धलेखनम् ।<br>चन्द्रसाधनस्य गणितम्। | 15 |
| 5 | ब्रह्माण्डस्वरूपवर्णनस्कन्धः<br>**गतिविधयः-**<br>ब्रह्माण्डस्योत्पत्तिर्विषये निबन्धलेखनम् । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : ज्योतिर्विज्ञानम् ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. ज्योतिर्विज्ञानम्, (अर्कसोमयाजिना विरचितम्) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>**सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| **आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | **कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>**समयः (Time) : 03.00 घण्टा** (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>**Section(A) : 5 Very Short Questions**<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>**Section (B) : 5 Short Questions**<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>**Section (C) : 5 Long Questions**<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

# द्विवार्षिक आचार्य सिद्धान्तज्योतिष

# सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

# Acharya Siddhantajyotisha Syllabus

## (Programme Code – AC-SJY)

## तृतीय सत्रार्द्ध

## 2025-26


**महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग,**

**उज्जैन (म.प्र.) 456010**

**दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845**

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in



ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : तृतीय<br>Semester : III | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 31 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 31) ग्रहगणितम्<br>प्रथमप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्यखण्डनपरिज्ञानं भविष्यति।<br>2. खगोलियक्षेत्रस्यज्ञानेकुशलः भविष्यति।<br>3. ज्यासाधनविषयेदक्षः भविष्यति।<br>4. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of<br>Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | सिद्धान्ततत्वविवेके मध्यमाधिकारे आदितः गोलपरिचयपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>कालस्य विविध भेदानां परिचयः ।<br>कालमानानां गणितसाधनम् ।<br>गोलस्यस्वरूपं इति विषयोपरि निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 2 | मध्यमाधिकारे भूभ्रमकथनखण्डनतः समाप्तिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>भूभ्रमणसिद्धान्तविषये निबन्धलेखनम् ।<br>अहर्गणस्य गणितसाधनम् ।<br>भूभ्रमणस्य आदर्श निर्माणम् ।<br>मध्यमग्रह-संवत्सर-भूपरिधिः इत्यादिनां व्यवहारप्रयोगः । | 15 |
| 3 | स्पष्टाधिकारे आदित :ज्योत्पत्तिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रहाणां गतिहेतोः परिचयः ।<br>गत्यन्तरे हेतुः- पाताकर्षणं इत्यादिनां आरेख निर्माणम् । | 15 |
| 4 | स्पष्टाधिकारे कुण्डप्रकरणतः ज्याऽनयनविधिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>ज्यापिण्ड-उत्क्रमज्या-क्रान्तिज्या-भुजकोटिज्या इत्यादिनां गणितीयप्रयोगः । | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| 5 | स्पष्टाधिकारे स्पष्टीकरणतः समाप्तिपर्यन्तम् ।<br><br>**गतिविधयः-**<br>मन्द-शीघ्र-इष्टपरिधिः इत्यादिनां परिचयः ।<br>मन्दफल-शीघ्रफलयोः आरेख निर्माणम् ।<br>ग्रहाणां स्फुटीकरणार्थं विविधसंस्कारस्य प्रयोगः ।<br>नक्षत्र-योग-तिथि-करण इत्यादिनां गणितसाधनम् । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : भूभ्रमणम्, ज्योत्पत्तिः ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

**सन्दर्भग्रन्थः –**

1. सिद्धान्ततत्वविवेकः, वासनाभाष्यसहितः, डॉ.कृष्णचन्द्रद्विवेदी, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,

Suggestive digital platforms/ web links-

**अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम**

**Suggested equivalent online courses:**

**1. Sanskrit.inira.fr/**

**2. learnsanskrit.cc/index**

**3.sanskrit.samskrutam.com**

**4.swayam.gov.in**

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

**अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी**

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

| | | |
|---|---|---|
| सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| **आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | **कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>**: 03:00**<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>**समयः** (Time) : 03.00 **घण्टा** (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>**Section(A)** : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>**Section (B) :** 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>**Section (C)** : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : तृतीय<br>Semester : III | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 32 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 32) गोलगणितम्<br>द्वितीयप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्यखण्डनपरिज्ञानं भविष्यति।<br>2. खगोलियक्षेत्रस्यज्ञानेकुशलः भविष्यति।<br>3. ज्यासाधनविषयेदक्षः भविष्यति।<br>4. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति।<br>5. शृङ्गोन्नति, उदयास्ताविषये ज्ञानं भविष्यति।<br>6. चन्द्रग्रहणसाधनेज्ञानं भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of<br>Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | सिद्धान्ततत्वविवेके बिम्बाधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>रवि-चन्द्र-भूभाविम्बानां आरेख निर्माणम् ।<br>ग्रहणसम्भावनाविषयक प्रायोगिकम् ।<br>ग्रहणस्य परिलेख निर्माणम् ।<br>छाद्यछादकयोः परिचयः । | 15 |
| 2 | छायाधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>भूच्छायायाः आरेख निर्माणम् ।<br>छायातो नतकालज्ञानस्य प्रायोगिकम् । | 15 |
| 3 | शृङ्गोन्नत्यधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>शृङ्गोन्नतिगणितसाधनम् ।<br>चन्द्रस्य दृश्यादृश्यत्वविषये प्रायोगिकम् ।<br>शृङ्गोन्नतिः परिलेख निर्माणम् । | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| 4 | उदयास्ताधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रह-नक्षत्राणां उदयास्तगणितसाधनम् ।<br>उदयास्तविषयक प्रायोगिकम् ।<br>उदयास्तसम्बन्धि परिलेख निर्माणम् । | 15 |
| 5 | पर्वसम्भवाधिकारः चन्द्रग्रहणाधिकारश्च<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रहणसम्भावनाविषयक प्रायोगिकम् ।<br>ग्रहणस्य परिलेख निर्माणम् ।<br>छाद्यछादकयोः परिचयः । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : बिम्बः, छाया, शृङ्गोन्नतिः, उदयास्तम् ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

**सन्दर्भग्रन्थः –**

1. सिद्धान्ततत्वविवेकः, वासनाभाष्यसहितः, डॉ.कृष्णचन्द्रद्विवेदी, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,

Suggestive digital platforms/ web links-

**अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम**

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

| | | |
|---|---|---|
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| Any remarks/ suggestions: | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : तृतीय<br>Semester : III | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 33 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 33) करणगणितम्<br>तृतीयप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. केतकीग्रहगणितस्य परिज्ञानं भविष्यति।<br>2. पञ्चाङ्गनिर्माणे दक्षः भविष्यति।<br>3. प्राचीनभारतीयगणितपरम्परायाः ज्ञानं भविष्यति।<br>4. सिद्धान्तज्योतिषगणितविषयस्यपरिचयो भविष्यति।<br>5. पञ्चाङ्गनिर्माणे बीजसंस्कारेदक्षः भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of<br>Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | केतकीग्रहगणिते प्रास्ताविकाधिकार:<br>**गतिविधयः-**<br>केतकीग्रहगणितस्य वैशिष्ट्यविषये निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 2 | मध्यमाधिकारे आदितः मध्यमगतिदिक्साधनपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>मध्यमगतिर्विषये निबन्धलेखनम् ।<br>दिक्साधनस्य प्रायोगिकम् । | 15 |
| 3 | मध्यमाधिकारे ग्रहाणामहर्गणभवागतित: समाप्तिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>अहर्गणस्य गणितसाधनम् । | 15 |
| 4 | स्पष्टाधिकारे आदितः च्युतिसंस्कारपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>च्युतिसंस्कारस्य गणितसाधनम् । | 15 |
| 5 | स्पष्टाधिकारे तिथिसंस्कारत: समाप्तिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>च्युतिसंस्कारस्य गणितसाधनम् । | 15 |
| कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : केतकीग्रहगणितम्, च्युतिसंस्कारः, तिथिसंस्कारः । | | |

| भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन<br>(Part C-Learning Resources) |
|---|
| पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources) |
| अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-<br>सन्दर्भग्रन्थः –<br>1. केतकीग्रहगणितम्, (केतकीपरिमलेन वासनाभाष्येण समुल्लसितम्) डॉ. भास्करशर्मा 'श्रोत्रिय', हंसा प्रकाशनम्, जयपुरम्<br>Suggestive digital platforms/ web links- |
| अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम<br>Suggested equivalent online courses:<br>1. Sanskrit.inira.fr/<br>2. learnsanskrit.cc/index<br>3.sanskrit.samskrutam.com<br>4.swayam.gov.in |
| भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि<br>(Part D-Assessment and Evaluation) |
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks |

| | | |
|---|---|---|
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित | 40 |

ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वेदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| Comprehensive Evaluation) (CCE) | परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) : : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न Section(A) : 5 Very Short Questions अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| Any remarks/ suggestions: | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : तृतीय<br>Semester : III | सत्र (Session): 2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 34 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 34) अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम्<br>चतुर्थप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. ज्योतिषवाङ्मय आधुनिक परिज्ञानं भविष्यति।<br>2. ज्योतिषशास्त्रस्यक्रमिकविकासस्य परिचयो भविष्यति।<br>3. आधुनिकवेधशालाएवंयन्त्राणां ज्ञानं भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of<br>Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | प्रथमोऽध्यायः<br>**गतिविधयः-**<br>खगोलीयवृत्तस्य आरेख निर्माणम् । | 15 |
| 2 | द्वितीयोऽध्यायः<br>**गतिविधयः-**<br>पृथिव्या परिक्रमणस्य आदर्श निर्माणम् । | 15 |
| 3 | तृतीयचतुर्थाध्यायौ<br>**गतिविधयः-**<br>चन्द्रपरिक्रमणस्य आदर्श निर्माणम् ।<br>ग्रहणस्थितिकालोपरि निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 4 | पञ्चमषष्ठाध्यायौ<br>**गतिविधयः-**<br>सूर्यलाञ्छनचक्रस्य आदर्श निर्माणम् ।<br>ग्रहविषयकसिद्धान्तानां विषये निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 5 | सप्तमाष्टमाध्यायौ<br>**गतिविधयः-**<br>मार्गच्युतिर्विषये निबन्धलेखनम् ।<br>धूमकेतु-उल्काश्च आदर्श निर्माणम् । | 15 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| |
|---|
| कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : परिक्रमणम्, सूर्यलाञ्छनम्, मार्गच्युतिः । |
| **भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**<br>**(Part C-Learning Resources)** |
| पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources) |
| अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-<br>सन्दर्भग्रन्थः –<br>1. अर्वाचिनज्योतिर्विज्ञानम्, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी।<br>Suggestive digital platforms/ web links- |
| अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम<br>Suggested equivalent online courses:<br>1. Sanskrit.inira.fr/<br>2. learnsanskrit.cc/index<br>3.sanskrit.samskrutam.com<br>4.swayam.gov.in |
| **भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**<br>**(Part D-Assessment and Evaluation)** |
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks |

| | | |
|---|---|---|
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित | 40 |

| | | |
|---|---|---|
| Comprehensive Evaluation) (CCE) | परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>**Section(A)** : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>**Section (B)** : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>**Section (C)** : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

# द्विवार्षिक आचार्य सिद्धान्तज्योतिष

# सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

# Acharya Siddhantajyotisha Syllabus

## (Programme Code – AC-SJY)

## चतुर्थ सत्रार्द्ध

## 2025-26


**महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग,**

**उज्जैन (म.प्र.) 456010**

**दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845**

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुट- www.mpsvv.ac.in


अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : चतुर्थ<br>Semester : IV | सत्र (Session): 2025-26 |
| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 41 | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 41) ग्रहगणितम्<br>प्रथमप्रश्नपत्रम् | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्यखण्डनंज्ञास्यन्ति।<br>2. गोलक्षेत्रस्यपरिचयो भविष्यति।<br>3. खगोलियपिण्डानां ज्ञानेदक्षः भविष्यति।<br>4. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

| भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु<br>Part B- Content of the Course | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)<br>Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5<br>सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)<br><br>L-T-P: 5-0-0 | | |
| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या<br>No. of<br>Lectures<br>1 घण्टा<br>(1 Hour Each) |
| 1 | सिद्धान्ततत्वविवेके त्रिप्रश्नाधिकारे आदित: 94 श्लोकपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>गोलबन्धविषयोपरि निबन्धलेखनम् ।<br>चापीयत्रिभुजचतुर्भुजयोः आरेख निर्माणम् । | 15 |
| 2 | 95 लोकतः 191 श्लोकपर्यन्तम् ।<br>**गतिविधयः-**<br>ज्याक्षेत्रस्य आरेख निर्माणम् ।<br>भोदयमानस्य गणितसाधनम् । | 15 |
| 3 | 192 श्लोकतः 290 श्लोकपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>छायातः पलभाज्ञानस्य प्रायोगिकम् ।<br>लग्नोपरि निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 4 | 291 लोकतः 384 श्लोकपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>शङ्कुस्थापनस्य प्रायोगिकम् ।<br>दिक्साधनस्य प्रायोगिकम् । | 15 |

महर्षि पाणिनी संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| 5 | 385 लोकतः समाप्तिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>गोले गर्भसूत्र-पृष्ठसूत्रयोः आदर्श निर्माणम् ।<br>विविध यन्त्रस्य स्वरूपविषये निबन्धलेखनम् । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : गोलबन्धः, चापीयत्रिभुजम्, पलभा ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. सिद्धान्ततत्वविवेकः, वासनाभाष्यसहितः, डॉ. कृष्णचन्द्रद्विवेदी, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी, 2210011

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| **आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन** (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | **कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि** (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>**: 03:00**<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>**Section(A)** : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>**Section (B) :** 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>**Section (C)** : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : चतुर्थ<br>Semester : IV | सत्र (Session):<br>2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 42 |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 42) ग्रहणगणितम्<br>द्वितीयप्रश्नपत्रम् |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. भास्कारीयसिद्धान्तस्य गुणदोषाणांपरिज्ञानं भविष्यति।<br>2. खगोलियक्षेत्रस्यपरिचयो भविष्यति।<br>3. दिग् देश काल विषयेदक्षः भविष्यति।<br>4. ज्योतिषेनिहितखगोलविज्ञानस्यपरिचयो भविष्यति। |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 |

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |
|---|---|---|---|

**भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु**

**Part B- Content of the Course**

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each) |
|---|---|---|
| 1 | सिद्धान्ततत्वविवेके सूर्यग्रहणाधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>रवि-चन्द्र-भूभाविम्बानां आरेख निर्माणम् ।<br>ग्रहणसम्भावनाविषयक प्रायोगिकम् ।<br>ग्रहणस्य परिलेख निर्माणम् ।<br>छाद्यछादकयोः परिचयः । | 15 |
| 2 | भग्रहयुत्यधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रहयुतिः-भग्रहयुतीत्यादिनां परिचयः ।<br>ग्रह-भग्रहयुतिविषयक प्रायोगिकम् ।<br>भग्रहयुतिसम्बन्धि परिलेख निर्माणम् । | 15 |
| 3 | पाताधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>पातस्य गणितसाधनम् ।<br>पातस्थितेः आरेख निर्माणम् । | 15 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

| | | |
|---|---|---|
| 4 | महाप्रश्नाधिकारः<br>**गतिविधयः-**<br>महाप्रश्नाधिकारस्य वैशिष्ट्यविषये निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 5 | ग्रन्थोपसंहाराध्यायः<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रन्थोपसंहाराध्यायस्य वैशिष्ट्यविषये निबन्धलेखनम् । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : सूर्यग्रहणम्, भग्रहयुतिः, पातः ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

सन्दर्भग्रन्थः –

1. सिद्धान्ततत्वविवेकः, वासनाभाष्यसहितः, डॉ. कृष्णचन्द्रद्विवेदी, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी, 2210011

Suggestive digital platforms/ web links-

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम

Suggested equivalent online courses:

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions | 60 |

| | | |
|---|---|---|
| | प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | |
| Any remarks/ suggestions: | | |

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : चतुर्थ<br>Semester : IV | सत्र (Session): 2025-26 |
| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 43 |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 43) करणगणितम् शृङ्गोन्नतिगणितञ्च तृतीयप्रश्नपत्रम् |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय (Core Course) |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO) | 1. केतकीग्रहगणितस्य परिज्ञानं भविष्यति।<br>2. कमलाकरादी आचार्यस्यमतस्यज्ञानं भविष्यति।<br>3. प्राचीनभारतीयगणितपरम्परायाः ज्ञानं भविष्यति।<br>4. ज्योतिषगणितविषयस्यपरिचयो भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

**भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु**

**Part B- Content of the Course**

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each) |
|---|---|---|
| 1 | केतकीग्रहगणिते पञ्चताराधिकारे आदितः बुधशीघ्रकर्णाङ्कपर्यन्तम् ।<br>**गतिविधयः-**<br>मध्यमगतिर्विषये निबन्धलेखनम् ।<br>पञ्चताराग्रहाणां गणितसाधनम् । | 15 |
| 2 | गुरुशीघ्रकर्णाङ्कतः समाप्तिपर्यन्तम् ।<br>**गतिविधयः-**<br>ग्रहाणां शीघ्रकर्णस्य गणितसाधनम् आरेख । | 15 |
| 3 | त्रिप्रश्नाधिकारः<br>**गतिविधयः-** | 15 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| | स्फुटदिग्साधन-पलभासाधनस्य प्रायोगिकम् ।<br>अयनांशचलनस्य आरेख निर्माणम् ।<br>नत-उन्नतकाल इत्यादिनां गणितसाधनम्। | |
| 4 | वास्तवचन्द्रशृङ्गोन्नती आदितः ज्ञानराजमतपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>चन्द्रशृङ्गोन्नतेः आरेख निर्माणम् । | 15 |
| 5 | कमलाकरमततः समाप्तिपर्यन्तम्<br>**गतिविधयः-**<br>कमलाकरमतस्याध्ययनम् । | 15 |

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : केतकीग्रहगणितम्, चन्द्रशृङ्गोन्नतिः ।

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

**सन्दर्भग्रन्थः –**

1. केतकीग्रहगणितम्, (केतकीपरिमलेन वासनाभाष्येण समुल्लसितम्) डॉ. भास्करशर्मा 'श्रोत्रिय', हंसा प्रकाशनम्, जयपुरम् ।

Suggestive digital platforms/ web links-

**अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम**

**Suggested equivalent online courses:**

1. Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3. sanskrit.samskrutam.com
4. swayam.gov.in

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

| | | |
|---|---|---|
| अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी<br>पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100<br>सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks | | |
| आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) | कक्षा परीक्षण :<br>प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि<br>(Class Test Assignment/Presentation) | 40 |
| बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :<br>: 03:00<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा<br>University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>Section(A) : 5 Very Short Questions<br>अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>Section (B) : 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>Section (C) : 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | 60 |
| Any remarks/ suggestions: | | |

| भाग-अ, परिचय<br>Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम<br>Program : Degree Course | कक्षा (Class) : आचार्य द्विवार्षिक (Acharya 2 years) | सत्रार्द्ध : चतुर्थ<br>Semester : IV | सत्र (Session):<br>2025-26 |

| विषय (Subject) : सिद्धान्तज्योतिषम् | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कूट (Course Code) | PGT-SJY 44 |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title) | (CC- 44) वेधगणितम्<br>चतुर्थप्रश्नपत्रम् |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective /Vocational/.....) | मुख्य विषय<br>(Core Course) |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any) | विश्वविद्यालयानुदानायोग-नवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य संस्थानस्य वा फलितज्योतिषविषये आचार्यतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णाः प्रवेष्टुमर्हाः। |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ | 1. वेधशालाविषयेपरिज्ञानं भविष्यति।<br>2. भारतीय जयपुरम्, नवदेहली, वाराणसी, उज्जयिनी, |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | | |
|---|---|---|---|
| | (Course Learning outcomes) (CLO) | डोंगलादिवेधशालाणामितिहासः एवञ्च यन्त्राणां ज्ञानं भविष्यति।<br>3. प्राचीनभारतीयएवंआधुनिकयन्त्राणांज्ञानं भविष्यति।<br>4. ज्योतिषवर्णितसृष्टि उत्पतिइत्यादिविषयेज्ञानं भविष्यति। | |
| 6 | क्रेडिट मान (Credit Value) | 5 | |
| 7 | पूर्णांक (Total Marks) | Max. Marks: 40 + 60 | Min. Passing Marks: 35 |

**भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु**

**Part B- Content of the Course**

व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 5

सम्पूर्ण व्याख्यान काल- पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

| इकाई (Unit) | शीर्षक (Topics) | व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each) |
|---|---|---|
| 1 | प्रस्तरवेधशालानां परिचयः तेषां यन्त्राणि च - (जयपुरम्, नवदेहली, वाराणसी, उज्जयिनी, डोंगला)<br>**गतिविधयः-**<br>शैक्षणिक भ्रमणम् । | 15 |
| 2 | अर्वाचीनवेधशालाः यन्त्राणि च ।<br>**गतिविधयः-**<br>यन्त्राणां प्रायोगिकम् । | 15 |
| 3 | नक्षत्रमण्डलानि, नक्षत्राणि, द्विकनक्षत्राणि, विकारिकनक्षत्राणि च।<br>**गतिविधयः-** | 15 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| | नक्षत्रमण्डलानि आरेख निर्माणम् । | |
| 4 | नक्षत्रस्तबकाः, नीहारिकाः, आकाशगङ्गासंस्थानम्, अत्याकाशङ्गासंस्थानानि<br><br>**गतिविधयः-**<br>नीहारिका-आकाशगङ्गासंस्थानं इत्यादिविषये निबन्धलेखनम् । | 15 |
| 5 | ब्रह्माण्डोत्पत्तिः, सौरमण्डलोत्पत्तिः, प्राच्यार्वाचीनमतम् ग्रहाणां प्राच्यार्वाचीनस्वरूपविमर्शः<br><br>**गतिविधयः-**<br>ब्रह्माण्डोत्पत्तिः-सौरमण्डलोत्पत्तिः इत्यादिविषये निबन्धलेखनम् । | 15 |

**कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : वेधशाला, यन्त्रम्, नीहारिका, सौरमण्डलम् ।**

**भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

**(Part C-Learning Resources)**

**पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)**

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-**

**सन्दर्भग्रन्थः –**


1. अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम्
   (श्रीरमानाथसहायः)सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी।

**साहाय्यग्रन्थाः –**

2. ब्रह्माण्ड और सौर परिवार, (डॉ. देवीप्रसाद त्रिपाठी) परिक्रमाप्रकाशनम्, नई दिल्ली।
3. प्रस्तरवेधशाला, डॉ. भास्करशर्मा 'श्रोत्रियः', परिक्रमाप्रकाशन, नई दिल्ली।
4. म.म.सुधाकर द्विवेदी वेधाशाला परिचय, श्री कल्याणदत्त शर्मा, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5. वेधशालावैभवम्, डॉ. विनोदकुमार शर्मा, हंसाप्रकाशन, जयपुरम् ।
6. यन्त्र परिचय, डॉ. विनोदकुमार शर्मा, हंसाप्रकाशन, जयपुरम् ।


महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

| Suggestive digital platforms/ web links- |
|---|
| अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम<br>Suggested equivalent online courses:<br>1. Sanskrit.inira.fr/<br>2. learnsanskrit.cc/index<br>3.sanskrit.samskrutam.com<br>4.swayam.gov.in |

**भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि**

**(Part D-Assessment and Evaluation)**

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100

सतत व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE) : 40 Marks

विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 60 Marks

| | | |
|---|---|---|
| **आन्तरिक मूल्याङ्कन (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्याङ्कन (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE)** | **कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test Assignment/Presentation)** | 40 |
| **बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :**<br>**: 03:00**<br>विश्वविद्यालयीय परीक्षा | अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न<br>**Section(A) : 5 Very Short Questions** | 60 |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

| | | |
|---|---|---|
| University Exam Section<br>समयः (Time) : 03.00 घण्टा (Hours) | अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न<br>**Section (B) :** 5 Short Questions<br>प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words)<br>अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न<br>**Section (C) :** 5 Long Questions<br>प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words) | |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

अध्यक्ष
ज्योतिष विभाग
महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)